ध्येय श्लोक

त्वमेव माता च पिता त्वमेव,
त्वमेव बन्धुश्च सखा त्वमेव।
त्वमेव विद्या द्रविणं त्वमेव,
त्वमेव सर्वं मम देव देव।।

भावार्थ :- तुम्हीं मेरी माता हो और पिता भी तुम्हीं हो। तुम ही मेरे भाई हो और मित्र भी तुम्हीं हो, तुम्हीं विद्या हो, तुम्हीं धन हो। हे देवताओं के भी पूजनीय ईश्वर, आप ही मेरे लिए सब कुछ हो।